हिंदी (Higher)
कक्षा-आठवीं
प्रश्न-पत्र-प्रारूप (2024-2025)

समय : 3 घंटे *अधिकतम अंक : 80*

I. प्रश्नों का वर्गीकृत महत्त्व :

प्रश्नों का प्रकार	दीर्घ उत्तरात्मक	लघूत्तरात्मक	बहुवैकल्पिक, लघूत्तरात्मक/ अतिलघूत्तरात्मक	बहुवैकल्पिक	कुल
प्रश्नों की संख्या	04	02	10	02	18
अंक	20	16	34	10	80

II. इकाई का महत्त्व :

क्रम संख्या	खंड का नाम	अंक
	खंड-'क'	
1.	दो अपठित गद्यांश (लगभग 200 शब्दों के)	14 (7+7)
	तीन बहुवैकल्पिक प्रश्न (1×3=3)	
	दो लघूत्तरात्मक/अति लघूत्तरात्मक प्रश्न (2×2=4)	
	खंड-'ख'	
2.	व्यावहारिक व्याकरण (विकल्प सहित)	
	खंड-'ग'	20
3.	पठित गद्यांश पर आधारित प्रश्न (बहुवैकल्पिक प्रश्न)	
4.	पठित पद्यांश पर आधारित प्रश्न (बहुवैकल्पिक प्रश्न)	
5.	लघूत्तरात्मक प्रश्न (25-30 शब्द) विकल्प सहित	05
	• गद्यांश पर आधारित	05
	• पद्यांश पर आधारित	
	खंड-'घ'	10
6.	रचनात्मक लेखन (अनुच्छेद, पत्र, संवाद, सूचना लेखन)	06
		20
	पूर्णांक	80

III. खंड नीति :

- खंड–क बहुवैकल्पिक, लघूत्तरात्मक/अतिलघूत्तरात्मक
- खंड–ख अतिलघूत्तरात्मक
- खंड–ग बहुवैकल्पिक, लघूत्तरात्मक
- खंड–घ दीर्घउत्तरात्मक

IV. काठिन्य स्तर वर्गीकरण

1. कठिन स्तर : 30%
2. औसत स्तर : 50%
3. सरल स्तर : 20%

V. विभिन्न प्रकार के प्रश्नों के उत्तर हेतु अनुमानित विस्तार तथा समय-सीमा निर्धारण

प्रश्नों के प्रकार	अनुमानित उत्तर विस्तार	अनुमानित समय सीमा निर्धारण
1. दीर्घ उत्तरात्मक प्रश्न	80-100 शब्द	1 घंटा
2. लघूत्तरात्मक प्रश्न	25-30 शब्द	1½ घंटा
3. बहुवैकल्पिक / अतिलघूत्तात्मक उत्तर	एक शब्द, एक से दो वाक्य	30 मिनट

प्रतिदर्श प्रश्न-पत्र : 1 (2024-25)
कक्षा-आठवीं
विषय-हिंदी (Higher)

समय : 3 घंटे *अधिकतम अंक : 80*

सामान्य निर्देश :

- *इस प्रश्न-पत्र के चार खंड हैं–खंड 'क', 'ख', 'ग' और 'घ'।*
- *सभी खंड अनिवार्य हैं।*
- *खंड 'क' में अपठित बोध पर आधारित दो प्रश्न पूछे गए हैं। दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए ही प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*
- *खंड 'ख' में व्यावहारिक व्याकरण पर आधारित आठ प्रश्न पूछे गए हैं। दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए ही प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*
- *खंड 'ग' में पाठ्यपुस्तक पर आधारित चार प्रश्न पूछे गए हैं। प्रश्नों में आंतरिक विकल्प दिए गए हैं। दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए ही प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*
- *खंड 'घ' में रचनात्मक लेखन पर आधारित चार प्रश्न पूछे गए हैं। प्रश्नों में आंतरिक विकल्प दिए गए हैं।*
- *प्रश्नों के सभी उपभागों के उत्तर क्रमशः एक साथ लिखिए।*
- *उत्तरपुस्तिका में उत्तर के साथ वही क्रम संख्या लिखिए जो प्रश्नपत्र में दी गई है।*

खंड-'क' (अपठित बोध)

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए– (7)

सफल वही होता है, जो समय के साथ चलता है। जो लोग प्रत्येक कार्य की योजना पहले ही बना लेते हैं, वे अपने परिश्रम से सफलता की सीढ़ी पर चढ़ जाते हैं। किसी भी काम को हमें कल पर नहीं छोड़ना चाहिए बल्कि समय के साथ चलना चाहिए क्योंकि जो व्यक्ति अपने काम को कल पर छोड़ता है वह असफलता व विकट परिस्थितियों को आमंत्रित करता है। उचित समय बीत जाने पर किया गया कार्य निष्फल

होता है। उचित समय की प्रतीक्षा करनी पड़ती है। उसकी अगवानी करके उसका आशीर्वाद लिया जा सकता है क्योंकि समय को अपनी उपेक्षा सहन नहीं होती। यदि सारी रेलगाड़ियाँ समय पर छूटें और समय से पहुँचें; सारे लोग ठीक समय पर कार्य प्रारंभ करें और ठीक समय पर समाप्त करें, तो सभी मनुष्यों का समय बच जाता है। ऐसा होने पर मनुष्य एक दिन में पहले से दोगुना काम कर सकता है। समय में बहुत ताकत होती है। जो समय का हाथ पकड़कर चलता है, समय उसे आसमान की बुलंदियों पर ले जाता है और जो समय के साथ नहीं चलता, समय उसे नीचे की ओर ले आता है।

(i) विकट परिस्थितियों से लेखक का तात्पर्य है– (1)

(क) भयंकर स्थिति (ख) अच्छी स्थिति

(ग) प्रेरक स्थिति (घ) संतोषजनक स्थिति

(ii) निम्नलिखित कथन (A) तथा कारण (R) को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे दिए गए विकल्पों में से कोई एक सही विकल्प चुनकर लिखिए– (1)

कथन (A) : समय बहुत शक्तिशाली होता है।

कारण (R) : समय के साथ चलने वाला व्यक्ति ऊँचाइयों को छूता है।

(क) कथन (A) गलत है लेकिन कारण (R) सही है।

(ख) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों गलत हैं।

(ग) कथन (A) सही है लेकिन कारण (R) उसकी गलत व्याख्या करता है।

(घ) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है।

(iii) समय का आशीर्वाद कैसे लिया जा सकता है? (1)

(क) समय की उपेक्षा करके

(ख) समय का सदुपयोग करके

(ग) समय बीत जाने पर कार्य करके

(घ) कार्य करने में विलंब करके

(iv) प्रस्तुत गद्यांश हमें क्या संदेश देता है? (2)

(v) कार्य की योजना बनाने से मनुष्य को क्या लाभ होता है? (2)

2. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए– (7)

विज्ञापनों की विविधता देखते हुए उनका महत्त्व और उपयोगिता स्पष्ट हो जाती है। सामाजिक, आर्थिक, वाणिज्यिक और सरकारी क्षेत्रों में विज्ञापनों के बढ़ते कदम के कारण विज्ञापन आज स्वयं में एक उद्योग बन गए हैं। विज्ञापन सूचना देने के साथ-साथ धोखाधड़ी का मायाजाल भी रचते हैं। भ्रामक विज्ञापन हमारे मन-मस्तिष्क में इस तरह छा जाते हैं कि हम जरूरत न होने पर भी वह उत्पाद खरीद लेते हैं। इस तरह विज्ञापन हमारा धन और समय दोनों बरबाद करते हैं।

यह सही है कि विज्ञापनों के अनेक लाभ भी हैं। विज्ञापन ना केवल उत्पादों की भीड़ में ज़रूरत के अनुसार वस्तु की खरीद में सहायक होते हैं बल्कि नौकरी, कॉलेज-विद्यालय में प्रवेश, सरकारी योजनाओं, निवेश आदि से संबंधित आवश्यक सूचनाओं को भी हम तक पहुँचाते हैं। इन्हीं सब कारणों से विज्ञापनों का सामाजिक दायित्व बहुत बढ़ जाता है। विज्ञापन-जगत से जुड़े हर व्यक्ति का कर्तव्य है कि वे ऐसे भ्रामक विज्ञापनों से

बचें। यह विज्ञापन बनाने वालों की ज़िम्मेदारी है कि वे जनता को उत्पादों की सही जानकारी दें। उपभोक्ताओं का भी कर्तव्य है कि वे अपने विवेक और बुद्धि का पूर्ण इस्तेमाल करते हुए अपनी ज़रूरत के मुताबिक वस्तु का चुनाव करें और खरीदें। आकर्षक बातों, लंबे-चौड़े दावों और वादों में फँसकर हमें अपना धन बरबाद नहीं करना चाहिए।

(i) उत्पादों के संबंध में आकर्षक बातों, लंबे-चौड़े दावों और वादों में फँसकर अपना धन बरबाद करने से कैसे बचा जा सकता है? (1)

(क) सभी प्रकार के विज्ञापनों पर रोक लगाकर

(ख) विज्ञापन किए जाने वाले उत्पादों का विरोध करके

(ग) अपनी आवश्यकताओं के मुताबिक सामान खरीद कर

(घ) लंबे-चौड़े दावों और वादों पर विश्वास करके

(ii) विज्ञापन सूचना देने के साथ-साथ धोखाधड़ी का मायाजाल भी रचते हैं क्योंकि– (1)

(क) भ्रामक विज्ञापन हमारी अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाते हैं।

(ख) आकर्षक बातें तथा लंबे-चौड़े दावे करके हमारे धन की बचत करते हैं।

(ग) भ्रामक विज्ञापन दिखाना बहुत आवश्यक होता है।

(घ) विज्ञापन अनावश्यक उत्पाद खरीदने के लिए प्रेरित करते हैं।

(iii) निम्नलिखित कथन (A) तथा कारण (R) को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे दिए गए विकल्पों में से कोई एक सही विकल्प चुनकर लिखिए– (1)

कथन (A) : विज्ञापनों का सामाजिक दायित्व बहुत अधिक है।

कारण (R) : यह विज्ञापन बनाने वालों की ज़िम्मेदारी है कि वे जनता को उत्पादों की सही जानकारी दें।

(क) कथन (A) गलत है लेकिन कारण (R) सही है।

(ख) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों गलत हैं।

(ग) कथन (A) सही है लेकिन कारण (R) उसकी गलत व्याख्या करता है।

(घ) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है।

(iv) विज्ञापनों को धोखाधड़ी का मायाजाल क्यों कहा गया? (2)

(v) गद्यांश में उपभोक्ताओं को सचेत करने हेतु किन उपायों को सुझाया गया है? (2)

खंड-'ख' (व्यावहारिक व्याकरण)

3. निर्देशानुसार उत्तर लिखिए–

(क) निम्नलिखित शब्दों में अनुस्वार अथवा अनुनासिक का चिह्न उचित स्थान पर लगाइए– (1)

(i) प्रात (ii) बाध

(ख) निम्नलिखित शब्दों में 'र' के उचित रूप का प्रयोग कीजिए– (1)

(i) आशीवाद (ii) गह

(ग) 'अनु' उपसर्ग में मूल शब्द जोड़कर नया शब्द बनाइए। (1)

(घ) 'पुरुष' शब्द में उचित प्रत्यय का प्रयोग करते हुए नया शब्द बनाइए। (1)

4. निर्देशानुसार उत्तर लिखिए–

(क) 'दिन' शब्द के दो पर्यायवाची शब्द लिखिए। (1)

(ख) रिक्त स्थान की पूर्ति के लिए उचित विलोम शब्द लिखिए– (1)

गर्मी में ..... पदार्थ बहुत अच्छे लगते हैं। (ठोस)

(ग) निम्नलिखित वाक्यांश के लिए एक शब्द लिखिए– (1)

जो देश के लिए शहादत दे

5. (क) निम्नलिखित शब्द की संधि कीजिए– (1)

सदा + एव

(ख) 'उज्ज्वल' शब्द का संधि-विच्छेद कीजिए। (1)

6. (क) निम्नलिखित समस्तपद का विग्रह करके समास का भेद लिखिए– (2)

(i) रोगमुक्त (ii) दोपहर

(ख) नीचे दिए गए विग्रह का समस्तपद बनाकर समास का भेद लिखिए–

मृग के समान लोचन (1)

7. (क) रचना के आधार पर वाक्य का भेद लिखिए– (1)

रात अँधेरी थी और चारों ओर सन्नाटा छाया हुआ था।

(ख) निम्नलिखित वाक्य का अर्थ के आधार पर वाक्य-भेद लिखिए– (1)

अगर तुम मेरे घर आओगे, तभी मैं आऊँगी।

8. (क) रिक्त स्थान की पूर्ति करते हुए परिभाषा को पूर्ण कीजिए– (2)

जड़ अथवा अचेतन तत्वों पर मानवीय भावों, संबंधों और क्रियाकलापों का आरोप करके उन्हें मनुष्य के समान व्यवहार करते हुए दिखाना ..... है।

(ख) निम्नलिखित काव्य-पंक्ति में प्रयुक्त अलंकार का नाम बताइए–

वह पाकर एक धोती, प्रतिदिन उसे धोती।

9. निम्नलिखित वाक्य में उपयुक्त स्थान पर उचित विराम चिह्न लगाइए– (2)

(i) माता जी ने कहा मैं आपके साथ चलूँगी।

(ii) तुलसीदास जी ने रामचरितमानस की रचना की।

10. उचित मुहावरे द्वारा रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए– (2)

(i) ईश्वर की महिमा सुनकर मेरी .....।

(ii) महेश बाबू से तो बात करना ही बेकार है। उनको तो ..... की आदत है।

खंड-'ग' (पाठ्यपुस्तक)

11. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए– (1×5=5)

हेलेन का जीवन ऐसे प्रेरक प्रसंगों से भरा पड़ा है जिन्हें समझने से हम अपने भीतर नई शक्ति, नई ऊर्जा प्राप्त करते हैं। सारी कहानी अपराजेय इच्छा-शक्ति और आत्मबल की कथा है। अपनी देखने व सुनने की शक्ति छिन जाने पर उन्होंने बोलना भी बंद कर दिया मानो बोलना भूल गई हों लेकिन बोलने की प्रबल इच्छा उन्हें बार-बार उद्वेलित करती। वे तरह-तरह की आवाज़ें निकालतीं और ऐसा करते हुए, अपना एक हाथ गले पर और दूसरा हाथ होठों के ऊपर रखती थीं ताकि दोनों जगह होने वाले परिवर्तनों को महसूस कर सकें लेकिन कभी-कभी प्रयास करने पर भी वे बोलने में असमर्थ रहतीं। इससे उनका गुस्सा व तनाव बढ़ जाता। एक दिन वे अपनी अध्यापिका के साथ होरेस मान स्कूल (Horace Mann School) की प्राचार्या सारह फुलर से मिलने गईं जिन्होंने हेलेन के अनुरोध को स्वीकार कर, उन्हें पढ़ाने व बोलना सिखाने का जिम्मा उठाया।

(i) हेलेन के व्यक्तित्व के किन गुणों ने उनकी जीवन-दिशा बदल दी?

(क) अपराजेय इच्छा-शक्ति और आत्मबल

(ख) गुस्सा और तनाव

(ग) सहनशीलता और सबकी उपेक्षा करने का भाव

(घ) असीम उत्साह और विरोध का भाव

(ii) कौन-सी शक्ति हेलेन को बार-बार उद्‌वेलित करती?

(क) समाज द्‌वारा दिखाई जाने वाली दया

(ख) बोलने की प्रबल इच्छा

(ग) तनाव व गुस्सा

(घ) सारह फुलर से सीखने की प्रेरणा

(iii) अपने प्रयास में असफल होने पर हेलेन की क्या प्रतिक्रिया होती थी?

(क) आत्मविश्वास से परिपूर्ण हो जाती थी

(ख) तनाव व क्रोध से ग्रस्त हो जाती थी

(ग) तरह-तरह की आवाजें निकालती थी

(घ) प्रयास करना छोड़ देती थी

(iv) हेलेन के क्रोध व तनाव का क्या कारण था?

(क) प्रयास करने पर भी बोलने में असमर्थ होना

(ख) सारह फुलर द्‌वारा उनके अनुरोध को अस्वीकार करना

(ग) अपराजेय इच्छा-शक्ति का होना

(घ) बोलने-सुनने की शक्ति खोना

(v) हेलेन का जीवन प्रेरणा देता है–

(क) स्वयं में होने वाले परिवर्तनों को अस्वीकार करना

(ख) प्रयास एवं लगन से लक्ष्य-प्राप्ति

(ग) जीवन में नकारात्मक दृष्टिकोण रखना

(घ) परिस्थितियों से समझौता कर लेना

12. निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए– (1×5=5)

एक अकेला ताँगा था दूरी पर
कोचवान की काली-सी चाबुक के बल पर वो बढ़ता था
घूम-घूम जो बलखाती थी सर्प सरीखी
बेदर्दी से पड़ती थी दुबले घोड़े की गरम पीठ पर
भाग रहा वह तारकोल की जली
अँगीठी के ऊपर से।

(i) ताँगे के लिए 'एक अकेला' प्रयोग करके कवि क्या दर्शाना चाहता है?

(क) गर्मी की भीषणता (ख) तांगे का अभाव

(ग) यातायात के साधनों का अभाव (घ) तांगे के महत्त्व को दर्शाना

(ii) 'सर्प सरीखी' किसे कहा गया है?

(क) गर्म सड़क को (ख) चाबुक को

(ग) तांगेवाले को (घ) टेढ़ी-मेढ़ी सड़क को

(iii) सड़क किसका उपमान है?

(क) सर्प (ख) तारकोल

(ग) अँगीठी (घ) काली

(iv) चाबुक के बल पर घोड़े के आगे बढ़ने के द्वारा कवि क्या इंगित करना चाहता है?

(क) पशुओं के प्रति अत्याचार को

(ख) पशुओं के अड़ियल व्यवहार को

(ग) चाबुक की मजबूती को

(घ) कोचवान की ताकत को

(v) 'घोड़े की गर्म पीठ' के माध्यम से कवि क्या कहना चाहता है?

(क) घोड़े की विवशता

(ख) घोड़ा की अस्वस्थता

(ग) भीषण गर्मी

(घ) घोड़े की पीठ चाबुक की चोट से गर्म है

13. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं <u>पाँच प्रश्नों</u> के उत्तर 25 से 30 शब्दों में लिखिए– (2×5=10)

(क) पाठ 'आश्रम के अतिथि और संस्मरण' में नौजवान द्वारा क्या कहने पर गाँधी जी को उसे समझाने की आवश्यकता हुई?

(ख) श्रीधर स्वयं को हीन क्यों समझने लगा? 'पौधे के पंख' पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

(ग) बातचीत की कला में सफलता प्राप्त करने के लिए आकर्षक व प्रभावशाली व्यक्तित्व का निर्माण किस प्रकार किया जा सकता है?

(घ) 'असल धन' पाठ के आधार पर जीवन का असल धन क्या है?

(ङ) 'सितारों से आगे' पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए कि उज्ज्वल भविष्य के निर्माण में माता-पिता की महत्त्वपूर्ण भूमिका होती है।

(च) 'अन्याय के खिलाफ लड़ाई' पाठ में सीताराम राजू ने कोया आदिवासियों को अंग्रेजों के विरुद्ध लड़ने के लिए किस प्रकार प्रेरित किया?

14. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25 से 30 शब्दों में लिखिए– (2×3=6)

(क) 'निर्माण' कविता में आज के तनावग्रस्त मनुष्य को चिड़ियों द्वारा क्या संदेश दिया गया है?

(ख) 'हम पंछी उन्मुक्त गगन के' कविता में कवि ने किस प्रकार जीवन में स्वतंत्रता को सर्वोपरि सिद्ध किया है?

(ग) 'सूर और तुलसी के पद' पाठ में श्रीराम के उस बाल रूप का वर्णन कीजिए; जिस पर माताएँ बलिहारी हैं।

(घ) 'दोहे' पाठ में कबीर ने तिनके के महत्त्व को स्पष्ट करते हुए क्या संदेश दिया है?

खंड-'घ' (रचनात्मक लेखन)

15. निम्नलिखित में से **किसी एक** विषय पर (80-100 शब्दों में) अनुच्छेद लिखिए–(5)

(क) बाल-श्रम : एक अभिशाप

- बाल-श्रम से अभिप्राय
- बाल-श्रम देश की उन्नति में बाधक
- बाल-श्रम को रोकने के उपाय

(ख) पशु-पक्षी–पर्यावरण का अभिन्न अंग

- विलुप्त होती प्रजातियाँ
- वन्य संरक्षण में सहायक
- हमारा उत्तरदायित्व

(ग) करत-करत अभ्यास के जड़मति होत सुजान

- सूक्ति का अर्थ
- सूक्ति का महत्त्व
- जीवन के लिए प्रेरणा

16. आपके मित्र के बड़े भाई का चयन भारतीय क्रिकेट टीम में हो गया है। इस सफलता के लिए अपने मित्र को बधाई-पत्र लिखिए। (5)

अथवा

प्रदेश के नगर निगम अधिकारी को यातायात में अवरोध उत्पन्न करने वाले वृक्षों की काट-छाँट का अनुरोध करते हुए पत्र लिखिए।

17. तेज़ गति से गाड़ी चलाने पर रोकी गई गाड़ी के वाहन चालक और ट्रैफिक पुलिस के बीच हुई बातचीत को संवाद रूप में लिखिए। (5)

अथवा

बीमारी के कारण एक सप्ताह बाद विद्यालय जाने पर अध्यापिका एवं छात्र के बीच हुई बातचीत को संवाद रूप में लिखिए।

18. विद्यालय की पत्रिका 'पल्लव' के लिए स्वरचित कहानियाँ, कविताएँ, लेख आदि रचनाएँ मँगवाने हेतु साहित्य परिषद के सचिव की ओर से सूचना लिखिए। (5)

अथवा

शीतावकाश में विद्यालय के प्रधानाचार्य जी की ओर से कक्षा आठवीं से कक्षा दसवीं तक के छात्रों को एक सप्ताह के लिए शैक्षणिक भ्रमण पर ले जाने हेतु सूचना लिखिए।